DAINIK JAGRAN, LUCKNOW
Thursday, September 26, 2013

**दिल की बात :** गांवों तक पहुंचानी है करेंट अफेयर्स की लहर, मोबाइल पर देंगे जानकारी

# कुछ नया करने की कोशिश में बना क्विज मास्टर

**जागरण संवाददाता, लखनऊ :** आज जो भी हूं घरवालों के आजादी देने के कारण हूं।, घरवालों ने विश्वास किया मैंने उनका विश्वास बनाए रखा। हर बार कुछ नया करने की कोशिश करता रहा। यह कहना है मशहूर क्विज मास्टर गिरि बालसुब्रमण्यम उर्फ पिक ब्रेन का।

वे बताते हैं कि घर में पिता इंजीनियर थे ही, इसके अलावा परिवार में आठ चचेरे भाई भी इंजीनियर थे। इसके बाद भी पिता ने कभी दबाव नहीं डाला कि तुम्हें डॉक्टर या इंजीनियर बनना है। स्वयं जरूर कभी-कभी दबाव महसूस करता था लेकिन आज अपने प्रोफेशन से संतुष्ट हूं। लोगों में ज्ञान बांटने का काम करता हूं। आने वाली पीढ़ियों को देश के लिए तैयार करने में बहुत छोटी सी भूमिका निभाने का काम कर रहा हूं। उनके मुताबिक पाठ्यक्रम पर फोकस करने के बजाए अब एकेडमिक व नॉन एकेडमिक पर फोकस होना चाहिए।

### क्विज कॉलम ने दिया पिकब्रेन का नाम

गिरि ने एक अंग्रेजी अखबार में करीब आठ साल काम किया। लिखने-पढ़ने का शुरू से शौक था। मार्केटिंग डिपार्टमेंट में रहने के दौरान क्विजिंग कॉलम लिखने की छूट थी। उस दौरान अखबार में सिर्फ संपादकीय से जुड़े रिपोर्टर का नाम खबरों में छपता था। इसलिए क्विज कॉलम लिखने के दौरान पिक ब्रेन नाम से छपना शुरू हो गया।

### छोटे शहरों में छिपी है भारत की प्रतिभा

गिरी कहते हैं कि भारत के छोटे शहरों में प्रतिभा छिपी है। भारत में ज्ञान की कमी नहीं है। वर्तमान समय में अन्य देशों से ज्ञान के मामले में हम कई पायदान आगे हैं। जरूरत है उसे निखारने की। उनके मुताबिक छोटे शहरों व कस्बों में रहने वालों में विश्वास के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा पर पकड़ थोड़ी कमजोर है।

### शख्सियत

**पिक ब्रेन**

8 जून 1971 को जन्मे गिरि बालसुब्रमण्यम उर्फ पिक ब्रेन का जन्म चेन्नई में हुआ था। गिरि ने एमबीए करने के बाद एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी अखबार में करीब आठ साल नौकरी की। वर्तमान में ग्रेकैपस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम से भारत में क्विजिंग व ज्ञानवर्धक पुस्तक सामग्री उपलब्ध करवाने वालों में शुमार हैं। गिरि इंटरनेट के जरिए क्विजिंग सेवा देने वाले पहले भारतीय हैं।

### तो टीचर होता

गिरि बालसुब्रमण्यम कहते हैं कि अगर क्विजिंग के काम से जुड़ा न होता तो किसी स्कूल में अध्यापक होता। बचपन से ही पढ़ने लिखने में रुचि होने के कारण उनका लगाव शिक्षा के क्षेत्र में थोड़ा ज्यादा था।

### जुड़े हैं करोड़ों छात्र

पिक ब्रेन न केवल अपने देश में बल्कि विदेश में भी करेंट अफेयर्स पर क्विजिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाते हैं। वे बताते हैं कि क्विजिंग कार्यक्रम से करीब तेरह करोड़ से अधिक युवा जुड़े हुए हैं। ऐसी पहल से युवाओं के दिमाग की चैतन्यता के साथ-साथ उनके ज्ञान को परखने का नायाब तरीका है। वे अब तक क्विज के दो हजार से अधिक शो कर चुके हैं। सात देशों में इनकी करेंट अफेयर्स की पुस्तक लेवल 1, 2, 3 के नाम से चलती हैं। देश-विदेश में तीन हजार से अधिक स्कूलों में इनकी पुस्तकों का इस्तेमाल होता है। सात लिम्का बुक अवार्ड अपने नाम कर चुके गिरी की गैपटोपीडिया, पिक योर ब्रेन नाम से पुस्तकें प्रकाशित होती हैं।

### पहुंचेंगे गांवों तक

गिरि कहते हैं कि आने वाले समय में वह गांव-गांव तक लोगों को ज्ञानवर्धक बनाने के लिए मोबाइल से अपनी सामग्री भेजेंगे। इसके लिए गिरि ने अभी से काम शुरू कर दिया है। वह कहते हैं जल्द ही इस नई सेवा की शुरुआत की जाएगी।